

I-199/80



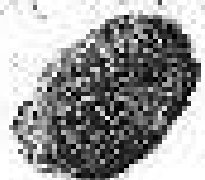
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504039
 1980
 1980



मिशन डिपेंड
 अतिथि की शायरि- ₹ 48,50,103/-
 शायरि मूल्य - ₹ 8,08,200/-
 अदा किये गये कलकत्ता स्टेशन - ₹ 4,88,000/-

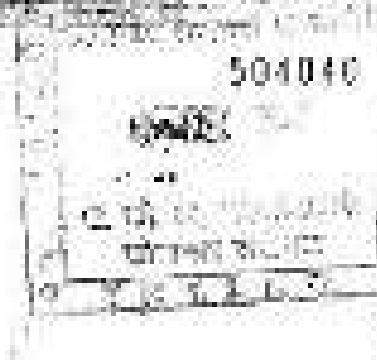
1. मुने का प्रचार - रुपे
2. परगना - विजयवा
3. पाण - इलाहाबाद
4. सम्पत्ति का विवरण - मुने अलाव सख्या 23 रखवा



Signature



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH



0.540 हेक्टेयर का पूर्ण माप स्थित
ग्राम— देवगढ़, मगध विभाग
सहलीत न गिराव लकड़वा

6 माप की प्रकृति हेक्टेयर

7. राखलि का क्षेत्रफल - 0.540 हेक्टेयर



बदल

1/1/24



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504041

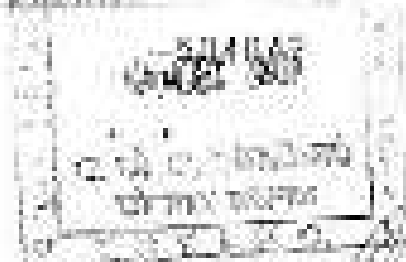
- i. शब्द की स्थिति - दुलानापुर रोड 500 मी. व जमनालीक
घर से लगभग 200 मी. से अधिक
- ii. जन्मति या प्रकार - कवि
- iii. जेलों की स्थिति - कोई पैर नहीं है।
- iv. पेरिंग/ कुमां जल - छुड़ भी नहीं है।

(1) वेद ६

Handwritten signature or mark.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



सोहानी खसरा नं. 23

उत्तर : खसरा नं-25 से 30

दक्षिण : खसरा नं-22

पूर्व : खसरा नं-32

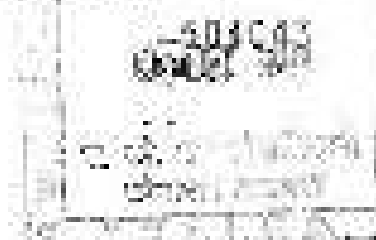
पश्चिम : खसरा नं-24

1. 10/11/84

10/11/84



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



-4-

प्रमाण पत्र की संख्या- 1 : द्वितीय पत्र की संख्या- 1

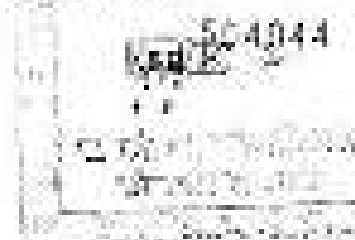
विक्रेता का विवरण	क्रयता का विवरण
वदल, दुब हेमराज निवासी ग्राम देवागढ़, परगना मिर्जापुर, जिला लखनऊ।	अनुराग कुमार वर्मा पुत्र विद्यानर निवासी- ग्राम- मन्दीरी, तहसील धानगंज, जिला लखनऊ।



10/01/2018



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 3 -

जयसाम- कृषि	जयसाम- कृषि
-------------	-------------

रतु विद्युत विभाग कर्म, पुत्र हेनराल विवाही राज

देवानक, गरगा विजयोर, तहसील व पिता लखनऊ जिले आने

विहारा कहा गया है एका शरणा कुमार यों पुत्र जयसाम

१० ११ १९५०

Handwritten signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

534045
 19/12/1954
 1954-55

निवासी- ग्राम- गन्धली, तहसील हसनगंज, जिला बल्लाह

जिन्हें आपने जेता कहा गया है वे मध्य निम्नलिखित लिखे गया ।

वे कि दिनेश्वर मुनि द्वारा रचित 23 खंडों 0.845

पूर्ण-गण लिखित ग्राम- देवानल, परगना बिजनीर
 1954-55



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504046

1958

जड़सील व जिला लखनऊ का मालिक कमिल ग. कविता है
 तथा उपरोक्त सत्यापित भूमांकित खगोली 00029 के अनुसार
 भूमि विक्रेता के नाम सय्यमचंद गुप्ता के रूप में दर्ज है और
 विक्रेता के नाम का अमल इरामद राजपूत अभिलेखों में भी तथा

12/5/58

Handwritten signature or mark.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504047

1981

5

हैं तब बिल्डिंग को राजस्व भूमि को विक्रय करने का पूर्ण अधिकार

होगा है। बिल्डिंग को पैसा की अत्यंत आवश्यकता है इसलिए

जो अपना सम्पूर्ण हिस्सा काल को इस विक्रय बिल्डिंग द्वारा

विक्रय कर रहा है बिल्डिंग अपनी वह सम्पूर्ण भूमि के भातिक,

12. 3. 81

Signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504048

- 10 -

कमिशन में शामिल है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि जूटि भूमि
है और उक्त भूमि सरकारी भूमि का हिस्सा नहीं है तथा उक्त
भूमि सीलिंग से परहे की भूमि नहीं है। यह कि विवेक यह

स्थापित किया है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार से भारी



Handwritten signature or mark.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504049

11

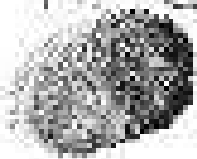
से मुक्त एवं पाक व साज में तथा बिछेला में उसे इस विषय में

एवं कहीं बट, पैसा, मिट्टी या अन्यभित्त इत्यादि नहीं किया है।

बिछेला में तबत भूमि पर कृषि श्रमण व अन्य प्रकार का कोई

काम नहीं किया है। यदि कोई ऐसा श्रमण भविष्य में बिखालता है

तो उसे दंड



504049



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

504050

10/11/88

42

तो उसके जिम्मेदार रिजल्ट व उसके मारिमान व विधिक

उत्तराधिकारी होंगे। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी

न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का बस्तु

विषय नहीं है न ही चुका हलाने है। रिजल्ट के अन्तर्गत उत्तर



Handwritten signature



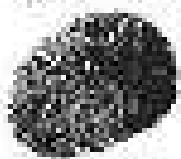
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-13-

गुमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को स्वतः विक्रय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपर्युक्त सहमति से फलस्वरूप कुल विक्रय

रुपय ४०,४९,१०८/- के प्रतिफल में विपरीत समरूपता के

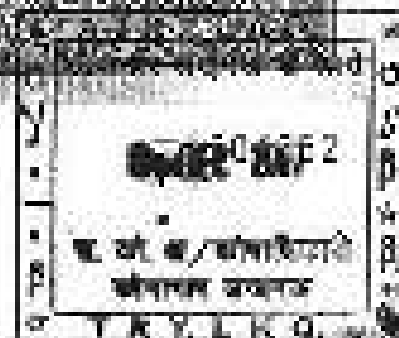
१० १२/१



[Handwritten signature]

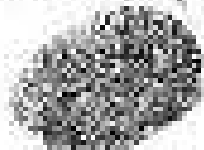


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



आप विवेका की इस विवेका के अन्त में ही गई अनुसूची में
वर्णित विधि से अनुसार अनुसूची कर दिया गया है एवं जिसकी
प्रति को विवेका माती स्वीकार करते हैं तदनुसार उक्त विवेका

उक्त केता से प्राप्त समीक्षा वर्णित भूमे विवेका विवेका २५
१२ २५ २५



१२/२५/२५



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

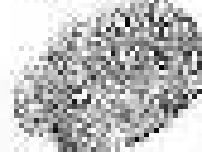


- 15 -

दिया कि वह के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो
 कराई कर दिया है, एवं विवेक ने दिक्कतों भूमि का मोटे पर
 कर्मा देता की वसूली करा दिया गया है। अब उक्त आराजी

पर विवेक एवं उसके परिवार का कोई अधिकार नहीं है।

1-9-84



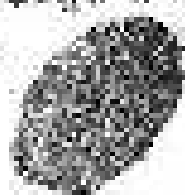
[Handwritten signature]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

229519

उपरोक्त में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपयोग करने
 । विवेकता य उपरोक्त विवेकता उसमें किसी प्रकार की अकल्प
 बाधा नहीं उत्पन्न करने एवं न ही कोई बात कर सकने और यदि
 विकल्पता सम्पत्ति उत्पन्न कोई बात विवेकता के अन्तर्गत में यदि



Signature



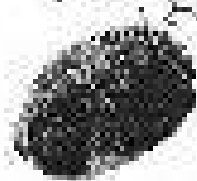
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

229520



18.

के कारण या कानूनी अद्वयन या कानूनी कृति के कारण जेता
या उसके दारिद्र्य निष्पादन, इत्यादि के काल या अधिकार
या स्वतः से निष्कल जाये ही जेता उसके दारिद्र्य, निष्पादन
इत्यादि को यह हक होगा कि यह अपना समस्त पुस्तक भव



जयपुर

...



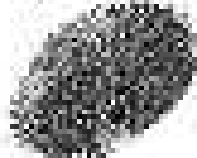
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



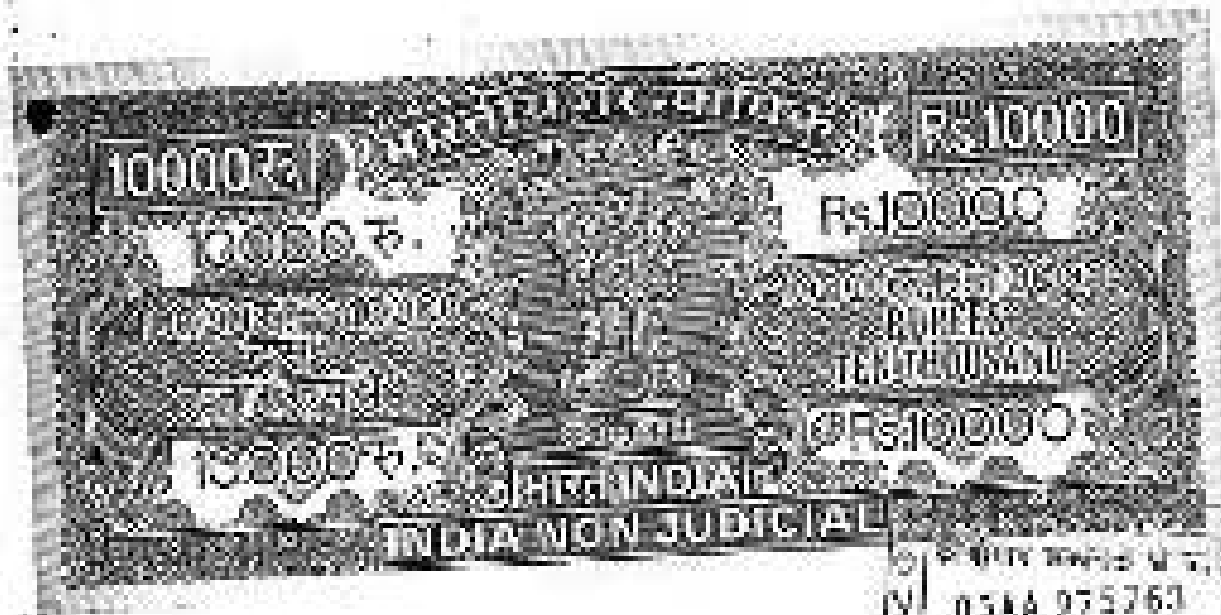
218

जहाँ व सुखी, दिक्कत की बात, अवल व-वर्तित से जगि
 क्षमालन रहल कर ले। कल रिशति मे दिक्कत एव लमके
 मरिषान जहाँ व लमके देने हुनु बाध्य होगा।

10/10/68



[Handwritten signature]



- 29 -

यह कि विक्रेता यह भी होशियार रहें कि एका भाग
 लक्ष्मण विमान प्रतिकरण, सञ्चालन तथा रखरखाव
 निम्न परियोजना, लक्ष्मण तथा सञ्चालन किरी की सरकारी अक्षय



Handwritten signature or initials.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 21 -

गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिवर्तित नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है।

यह कि कौन विद्यमान समिति की दायित्व स्थापित करने, अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो निम्नलिखित

07/5/81

[Handwritten signature]

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

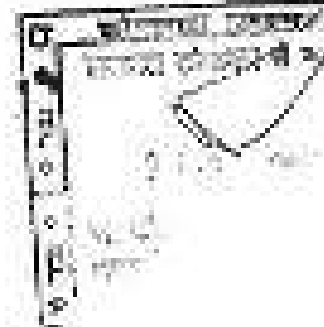
पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0129795

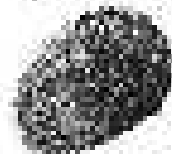


- 11 -

कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विषय विवेक के पूर्व
का अगर कोई समझा किसी तरह का कर इस सम्पत्ति पर
होगा तो उसको विकला गुप्तता न माना करेने विवेक को कोह

अपत्ति न होगी ।

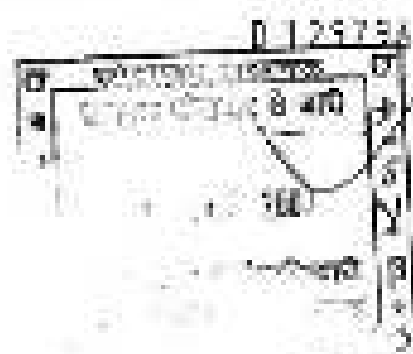
17-04-84



Handwritten signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



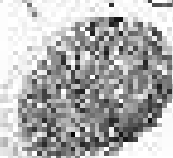
23

यह कि सम्पत्ति रखता था वह उस समय के जयपुरी

शेख के नाम पर नाम के सम्पत्ति था है इसलिए निर्धारित

सम्पत्ति रकम रु 12,50,000/- प्रति हेक्टेयर है इस प्रकार

देखते हैं भूमि 0.845 की मालिकता रु 10,25,000/- होती है तथा



Signature

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 200/11
6/1/11

24

विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए

विपणनानुसार विध्य मूल्य पर है जो 4,08,000/- पावरल

स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि अपरोक्त विकीत भूमि

कुद के उपयोग के लिए कुद की जा रही है। भूमि में कोई गैर

अंक
[Signature]

[Signature]

इन्फ्रा आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की श्रवणीय गतिविधि नहीं चल रही है व कोई नलकुप हुआ भी नहीं है तथा 200 मीटर के अन्तर्धरा में कोई निर्माण नहीं है विद्युत भूमि किसी लिंक लाइन, राजमार्ग व जनकपीठ मार्ग पर स्थित नहीं है। विद्युत भूमि सुराजपुर बंद से 500 मीटर व अमर राहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विद्युत एवं केला दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विकृत विवेक के निष्कर्ष का समस्त व्यव केला द्वारा महन किया गया है।

सिद्धांत यह किन्तु यह विकृता ने केला के घर में स्थित किया ताकि सगद रहे और आवश्यकता पड़ने पर लाभ सारे।

प्रतिश्रुति: भुगतान विवरण

1. विकृता को रु० 42,59,108/- द्वारा बैंक सहाय-01/2014 दिनांकित 24.12.2014 गंजाय मेथनल बैंक, सुराजपुर

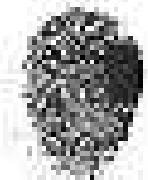
भुगतान देकर दे दिया हुआ।

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

Signature

इस प्रकार विकला को कुल विधाय मूल्य 48,00,000/-
 (रुपया अठ्ठाविंश लाख पचास हजार एक बी अठ मात्र) केना से
 प्राप्त हुए विधायी प्राप्ति विकला स्वीकार करते हैं तथा उन को
 सम्पत्ति विकला को केना से लेना बाध नहीं है।

Handwritten signature



विकला

संलग्नक

दिनांक : 07/04/2008

मुख्य : केना को गवर्नर की

1. *Handwritten signature*

आप देना 21/04/08

Handwritten signature

2. *Handwritten signature*

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

सहायक

Handwritten signature

(एम.कुमार)

सिविल जेनरल सचिव

Handwritten signature
 संचालक

सहायक

Handwritten signature

(शिवक कुमार सिंह)

एडमिनिस्ट्रेशन

Review

Registration No. 199

Year 2008

Book No.

2001 199
1999
The Book of the Dead
p. 1



गण

देवी देवी

समाप्त सङ्ख्या

2.3

विवरण

अ. द. र.

काल

अ. द. र. न. क. र.

विवर्तित सम्पत्ति के विवरण दिया जायता सम्पत्ति का विवरण



अ. द. र.

पानः

देवाबळ

चलता सळा-

२३

दिना

२३

मे

२३०७१२०००

विशाल सन्मालि के विरुद्ध विवा सळा लम्बिराजो का विवरण

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

२३

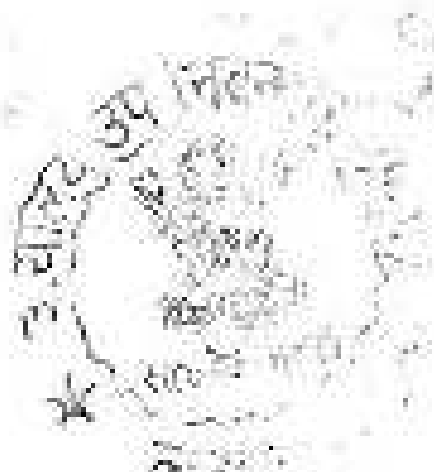
२३

Registration No. 109

Color: green
Material: 100% cotton
Size: 100% cotton
Weight: 100%

Year: 2008

Back No. 1





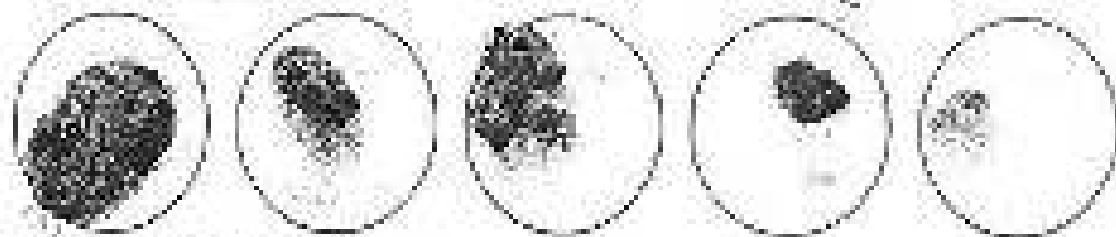
रजिस्ट्रेशन नम्बर 1200 की श्रृंखला - 32 90 के अनुमति हेतु

विजय प्रिन्टर्स

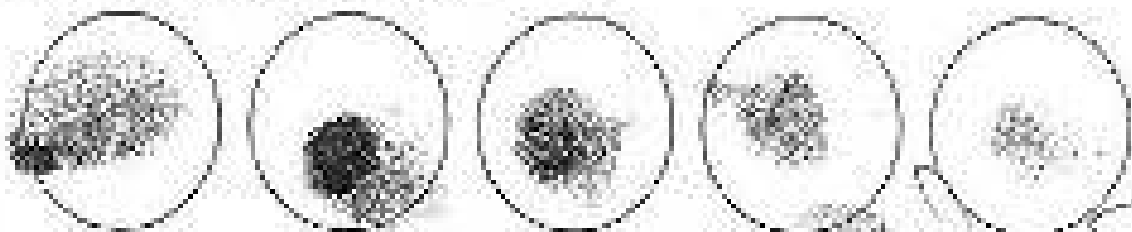
प्रमाणिकता/विशेषता नाम व पता -

डा. टी. वी. वि. देवगिरि

अने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह -



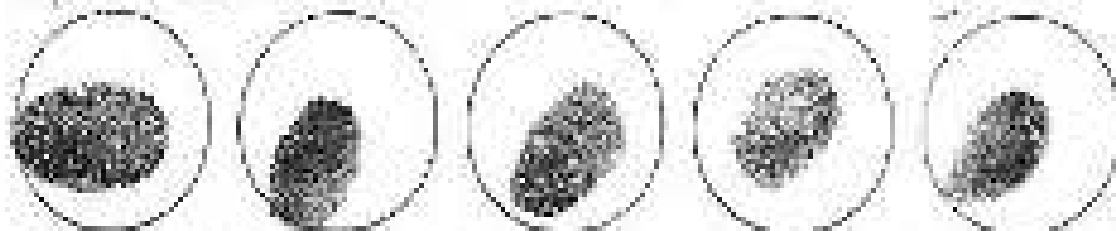
बाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह -



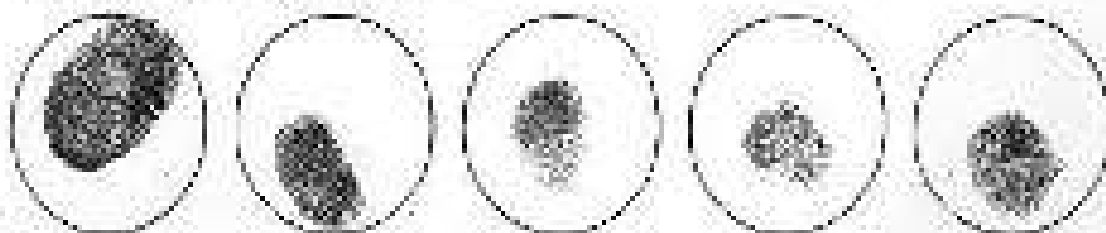
प्रमाणिकता/विशेषता नाम व पता -

विजय प्रिन्टर्स

अने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह -



बाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह -



विजय प्रिन्टर्स

समय दिनांक 07/01/2018 को

श्री नं 1 दिनांक 25/24

पृष्ठ नं 81 से 135 पर कुल 109

लिखित रूप में दिया गया।

एच. के. पालेकर

ज्वा. निदेशक (आ.स.)

राज्य सरकार

मुंबई-400 001